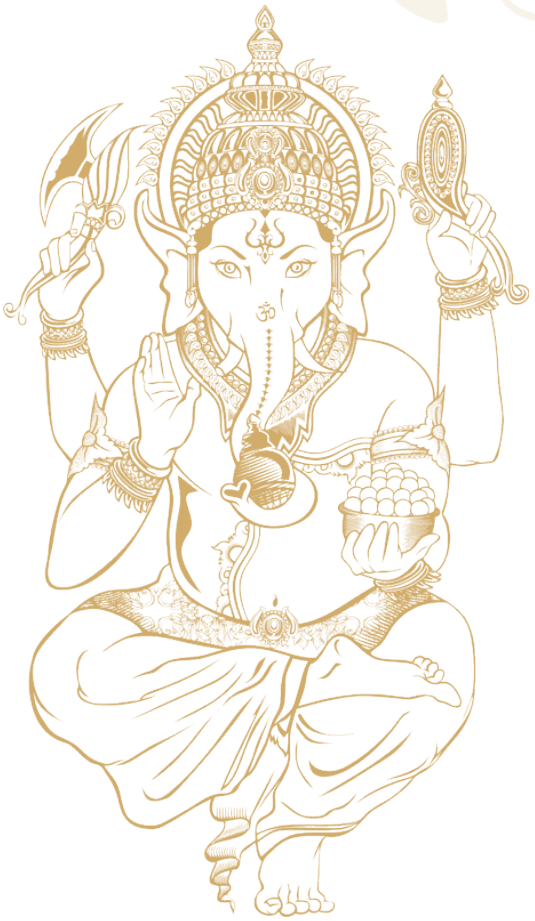

Riya kumari

15 Dec 1999

03:00 AM

Dadri

Model: web-freekundliweb

Order No: 120550703

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14-15/12/1999**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**03:00:00 घंटे**
इष्ट	49:50:01 घटी
स्थान	**Dadri**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:33:00 उत्तर
रेखांश	77:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:40:12 घंटे
वेलान्तर	00:05:36 घंटे
साम्पातिक काल	08:12:38 घंटे
सूर्योदय	07:03:59 घंटे
सूर्यास्त	17:24:32 घंटे
दिनमान	10:20:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	28:35:25 वृश्चिक
लग्न के अंश	05:12:01 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वज्र
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	05:12:01	312:37:45	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
सूर्य			वृश्चि	28:35:25	01:01:02	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	15:07:23	12:38:00	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
मंगल			मक	20:28:06	00:46:25	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध			वृश्चि	11:30:09	01:26:17	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		मेष	01:12:52	00:01:12	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			तुला	16:38:48	01:10:56	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मेष	17:09:45	00:02:58	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
राहु			कर्क	10:35:28	00:01:24	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
केतु			मक	10:35:28	00:01:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	20:08:50	00:02:28	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप			मक	08:45:13	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:57:05	00:02:18	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			कर्क	07:05:04	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:09

लग्न-चलित

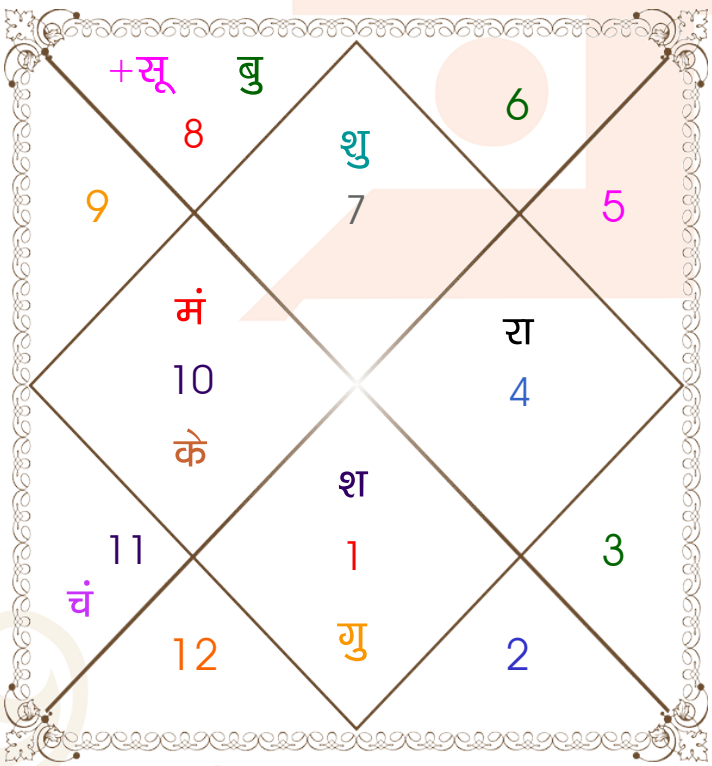

चन्द्र कुंडली

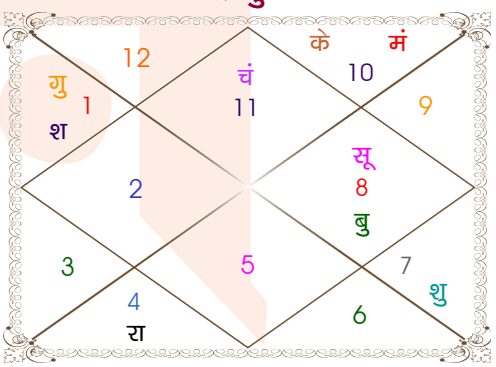

नवमांश कुंडली

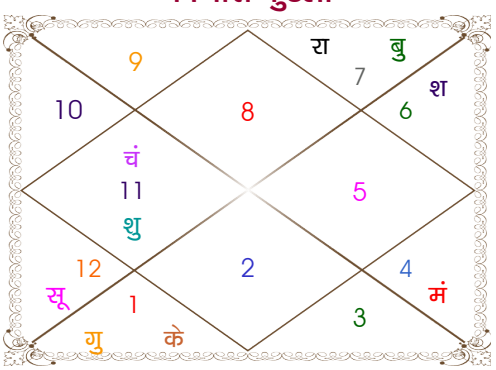

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 6 वर्ष 7 मास 0 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/12/1999		15/07/2006		15/07/2022		15/07/2041		15/07/2058	
15/07/2006		15/07/2022		15/07/2041		15/07/2058		15/07/2065	
	00/00/0000	गुरु	02/09/2008	शनि	18/07/2025	बुध	12/12/2043	केतु	11/12/2058
	00/00/0000	शनि	16/03/2011	बुध	27/03/2028	केतु	08/12/2044	शुक्र	11/02/2060
	00/00/0000	बुध	21/06/2013	केतु	06/05/2029	शुक्र	09/10/2047	सूर्य	17/06/2060
	15/12/1999	केतु	28/05/2014	शुक्र	06/07/2032	सूर्य	14/08/2048	चंद्र	17/01/2061
केतु	01/02/2000	शुक्र	26/01/2017	सूर्य	18/06/2033	चंद्र	14/01/2050	मंगल	15/06/2061
शुक्र	01/02/2003	सूर्य	14/11/2017	चंद्र	17/01/2035	मंगल	11/01/2051	राहु	03/07/2062
सूर्य	27/12/2003	चंद्र	16/03/2019	मंगल	26/02/2036	राहु	30/07/2053	गुरु	09/06/2063
चंद्र	27/06/2005	मंगल	20/02/2020	राहु	02/01/2039	गुरु	05/11/2055	शनि	18/07/2064
मंगल	15/07/2006	राहु	15/07/2022	गुरु	15/07/2041	शनि	15/07/2058	बुध	15/07/2065

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
15/07/2065		15/07/2085		16/07/2091		16/07/2101		16/07/2108	
15/07/2085		16/07/2091		16/07/2101		16/07/2108		00/00/0000	
शुक्र	14/11/2068	सूर्य	02/11/2085	चंद्र	15/05/2092	मंगल	12/12/2101	राहु	29/03/2111
सूर्य	14/11/2069	चंद्र	03/05/2086	मंगल	14/12/2092	राहु	31/12/2102	गुरु	22/08/2113
चंद्र	16/07/2071	मंगल	08/09/2086	राहु	15/06/2094	गुरु	07/12/2103	शनि	28/06/2116
मंगल	14/09/2072	राहु	03/08/2087	गुरु	15/10/2095	शनि	14/01/2105	बुध	15/01/2119
राहु	14/09/2075	गुरु	21/05/2088	शनि	15/05/2097	बुध	12/01/2106	केतु	16/12/2119
गुरु	15/05/2078	शनि	03/05/2089	बुध	15/10/2098	केतु	10/06/2106		00/00/0000
शनि	15/07/2081	बुध	10/03/2090	केतु	16/05/2099	शुक्र	10/08/2107		00/00/0000
बुध	15/05/2084	केतु	15/07/2090	शुक्र	14/01/2101	सूर्य	16/12/2107		00/00/0000
केतु	15/07/2085	शुक्र	16/07/2091	सूर्य	16/07/2101	चंद्र	16/07/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 6 वर्ष 6 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।